एक बसका चलना
कोई बहुत बडी उपलब्धी नही
परिवहन मंत्रालय इतना भी नही गयागुजरा.
बसे तो चलती है कई, आम बात है।

उस दिनभी सबकुछ आम ही तो था
घाटकोपर स्टेशनके बाहर गाडियां पार्क थी
रोडपर बसे चल रही थी,
लोग सरके उपर के डंडे को पकडे
खडे खडे लटक रहे थे
सबकुछ आम चल रहा था
कि अचानक गाडीमे ब्लास्ट हुआ
शीशे टूटे, आग लगी, जाने गयी
फिर पुलिस आई, जर्नलिस्ट आए,
बसका हाल, तसबीरे, लाइव एन्ड एक्सक्लू-सिव
आम बात है।

देशभरमे रेड अॅलर्ट,
घरघरमे सनसनी,
डरे सहमे मुंबईकर,
नासिक से मौसी का फोन
आपके आनेतक पानीमे डुबा गणपती।
दोस्तका SMS, विवेक ब्लास्टमे मारा गया.
मूड ठीक करने के लिए TV चलाना, आम बात है।

रातको आपकी छातीपर गिरते बीवी के आसू
बच्चोंकी फिकर, नजरमे खोफ
वो कांपते हात, वो डर, वो संभावना
वो बात जो आज आम है।

कोई संकट, परेशानी, चिंता
अनहोनी जब आम हो जाए,
तो उभरने उसब हलहलसे
~~[illegible]~~ जगाए पौरुषको.
~~[illegible]~~

पर मुंबईमे
जहा जिंदगी लोकलसे तेज भागती है
लिफ्टमे पसीना पोछ खासती, हाफती है।
जहा भागना आम बात है
और रुकना खास अपराध
मुंबई,
जहा आम बहुत बिकते है,
पर खास कुछ नही मिलता।

PAGE NO :